प्राथमिक शिक्षा अनुभाग

1. सपोर्ट टू प्री प्राइमरी (बालवाटिका आधारित) प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 विद्यालयी शिक्षा में आधारभूत अवस्था (फाउंडेशनल स्टेज) को महत्वपूर्ण स्थान देती है। इसके अनुसार 5 से 6 वयवर्ग के बच्चे के लिए बालवाटिका के रूप में लचीली, बहुआयामी और खेल आधारित शिक्षा पर बल दिया गया है। इस हेतु प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लिए वर्ष 2030 का लक्ष्य रखा गया है। उत्तराखण्ड राज्य प्रथम चरण में निर्धारित 4457 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बालवाटिका कक्षा जुलाई, 2022 से संचालित करने वाला देश का प्रथम राज्य बना है। उक्त के क्रम में संबंधित बालवाटिका कक्षाओं की आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के कौशल अभिवर्द्धन हेतु एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰ उत्तराखण्ड द्वारा प्रदेश के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के सहयोग से सपोर्ट टू प्री प्राइमरी (बालवाटिका आधारित) प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न चरणवार वर्ष 2022–23 में आयोजित किया गया।

- **प्रशिक्षण साहित्य का विकास :**

  उक्त प्रशिक्षण हेतु विभिन्न चरणों में एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰ उत्तराखण्ड द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर 'आरंभ' प्रशिक्षण साहित्य का विकास किया गया।

- **मुख्य सन्दर्भदाताओं (के॰आर॰पी॰) का प्रशिक्षण :**

  कार्यक्रम के अन्तर्गत एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰ उत्तराखण्ड द्वारा दिनांक 16 से 22 फरवरी, 2023 तक भारत स्काउट एवं गाइड के स्टेट कैम्पिंग सेंटर भोपालपानी, देहरादून में 39 (प्रत्येक जनपद से तीन) मुख्य सन्दर्भदाताओं को 'आरंभ' प्रशिक्षण साहित्य का सैद्धान्तिक व क्रियात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, ताकि वे उक्त प्रशिक्षण को प्रदेश की 4457 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रदान कर सकें।

- **मास्टर ट्रेनर (एम॰टी॰) प्रशिक्षण :**

  कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के 13 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में माह फरवरी–मार्च, 2023 में कुल 285 (प्रत्येक विकासखण्ड से 3 प्रतिभागी) प्रतिभागियों को 'आरंभ' प्रशिक्षण साहित्य के आधार पर बालवाटिका कक्षा में संचालित होने वाली विभिन्न विषयवस्तुओं व गतिविधियों का सैद्धान्तिक व क्रियात्मक प्रशिक्षण प्रदान

किया गया, ताकि वे उक्त प्रशिक्षण को प्रदेश की 4457 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रदान कर सकें।

- **आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का प्रशिक्षण :**

  कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के 13 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों/विकासखण्डों में माह मार्च 2023 में कुल लक्ष्य 4457 के सापेक्ष कुल 4394 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को 'आरंभ' प्रशिक्षण साहित्य के आधार पर बालवाटिका कक्षा में संचालित होने वाली विभिन्न विषयवस्तुओं व गतिविधियों का सैद्धान्तिक व क्रियात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, ताकि वे उक्त प्रशिक्षण को अपनी कार्यरत आंगनबाड़ियों/बालवाटिकाओं को प्रदान कर सकें।

2. डिजिटल कंटेंट निर्माण :

- **माध्यमिक शिक्षकों/प्रशिक्षकों हेतु उच्च गुणवत्तायुक्त डिजिटल कंटेंट निर्माण हेतु कौशल अभिवर्द्धन प्रशिक्षण :**

  कार्यक्रम के अन्तर्गत एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰ उत्तराखण्ड द्वारा राज्य के 26 माध्यमिक शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों को दिनांक 03–04 मार्च, 2023 तथा दिनांक 09–10 मार्च, 2023 को आयोजित कार्यशाला के माध्यम से डिजिटल कंटेंट निर्माण में प्रशिक्षित किया गया।

3. शोध अध्ययन :

- **निष्ठा प्रारम्भिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रारम्भिक शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर पड़ने वाले प्रभावों के संबंध में शोध अध्ययन :**

  कार्यक्रम के अन्तर्गत एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰ उत्तराखण्ड द्वारा दिनांक 16–18 नवम्बर, 2022 को आयोजित कार्यशाला के माध्यम से निष्ठा प्रारम्भिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रारम्भिक शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर पड़ने वाले प्रभावों के संबंध में शोध अध्ययन हेतु शोध उपकरण का निर्माण किया गया। उक्त शोध उपकरण के आधार पर संबंधित शोध अध्ययन विभिन्न जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा किया जा रहा है।

4. ब्लेंडेड एजुकेशन स्किल इन्हेंसमेंट ट्रेनिंग (BEST) कार्यक्रम (2022–23) :

कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य के 24 प्रारम्भिक शिक्षकों का दिनांक 17–18 मार्च, 2023 तथा 20–21 मार्च, 2023 को आयोजित कार्यशाला के माध्यम से वर्तमान तकनीकी संचालित युग की तकनीक मिश्रित कक्षा–कक्षीय संचलन प्रक्रियाओं में क्षमता संवर्द्धन किया गया।